



अण्डमान निकोबार द्वीप समाचार



रजि.न.34300/80 संख्या 267 श्री विजय पुरम, मंगलवार, 06 अक्टूबर 2026 web: dt.andamannicobar.gov.in 2.00 रुपए

माननीय उप राज्यपाल को मुख्य सचिव ने प्रशासन के विभिन्न कार्यों की प्रगति से अवगत कराया

एलएनजी आधारित विद्युत संयंत्रों एवं विद्युत क्षेत्र की प्रमुख परियोजनाओं की माननीय उप राज्यपाल ने की समीक्षा

कार निकोबार जनजातीय परिषद के प्रतिनिधिमंडल ने विकास संबंधी आवश्यकताओं से कराया अवगत भारत भारती के पदाधिकारियों ने भी की शिष्टाचार भेंट



श्री विजय पुरम, 5 अक्टूबर। लोक निवास, श्री विजय पुरम में आज अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के मुख्य सचिव श्री ज्ञानेश भारती, भा.प्र.से., ने अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के माननीय उप राज्यपाल डॉ. दिनेश शर्मा से भेंट कर अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह में प्रशासन द्वारा संचालित विभिन्न विकास कार्यों की प्रगति से उन्हें अवगत कराया।

भेंट के दौरान मुख्य सचिव के साथ प्रशासन द्वारा संचालित विभिन्न कार्यों तथा हाल ही में विभिन्न क्षेत्रों के दौरे के दौरान स्थानीय लोगों द्वारा उठाई गई समस्याओं पर भी विस्तार से चर्चा हुई। माननीय उप राज्यपाल ने जनसामान्य से प्राप्त समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र समाधान सुनिश्चित करने तथा संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने पूर्ण किए गए कार्यों का स्थलीय सत्यापन कर उनकी गुणवत्ता एवं वास्तविक प्रगति सुनिश्चित करने पर भी विशेष बल दिया।

इस अवसर पर विद्युत विभाग, अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन द्वारा विभिन्न तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) आधारित विद्युत संयंत्रों तथा विद्युत क्षेत्र से संबंधित प्रमुख योजनाओं की प्रगति पर विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया गया। इन परियोजनाओं का उद्देश्य द्वीपसमूह में विश्वसनीय, दक्ष एवं सतत विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करना, डीजल आधारित विद्युत उत्पादन पर निर्भरता कम करना तथा सभी द्वीपों में विद्युत अवसंरचना को और अधिक सुदृढ़ बनाना है।

बैठक के दौरान मुख्य सचिव श्री ज्ञानेश भारती, आयुक्त-सह-सचिव श्री सचिन शिंदे, विद्युत सचिव श्री प्रवेश झा, उप राज्यपाल की सचिव श्रीमती ज्योति कुमारी तथा शिष्ट सचिव श्री अपूर्व शर्मा सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

[कार निकोबार जनजातीय परिषद के प्रतिनिधिमंडल ने उप राज्यपाल से की भेंट](#)



निकोमेड के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने माननीय उप राज्यपाल से शिष्टाचार भेंट की। प्रतिनिधिमंडल में उप-मुख्य कप्तान श्री जॉन लेवी तथा कार्यकारी सदस्य श्री लुक्स रॉबर्ट और श्री मोहम्मद अमीन मूसा शामिल थे। प्रतिनिधिमंडल ने कार निकोबार द्वीप की विकास संबंधी प्रमुख आवश्यकताओं एवं स्थानीय जनसमुदाय से जुड़े विभिन्न विषयों पर माननीय उप राज्यपाल के साथ विस्तार से चर्चा की। इस दौरान द्वीप की जहाज संपर्क व्यवस्था को सुदृढ़ करने, मूस जेटी के ड्रेजिंग कार्य को शीघ्र पूरा कर उसे नौवहन योग्य बनाने, बी.जे.आर. अस्पताल, कार निकोबार में आवश्यक चिकित्सा उपकरण एवं सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा द्वीप में सेप्टिक टैंकों की यांत्रिक सफाई की व्यवस्था स्थापित करने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर सहयोग एवं मार्गदर्शन का



अनुरोध किया गया। माननीय उप राज्यपाल ने प्रतिनिधिमंडल द्वारा प्रस्तुत सभी विषयों को ध्यानपूर्वक सुना और संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई शीघ्र सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवश्यकतानुसार स्थलीय निरीक्षण एवं सत्यापन कर समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने पर भी बल दिया।

[भारत भारती के पदाधिकारियों से भी शिष्टाचार भेंट](#)

साथ ही भारतीय जनता पार्टी के पूर्व संगठन मंत्री श्री विवेक दाध्याकर, भारत भारती के राष्ट्रीय समन्वयक कैप्टन (आईएन) (सेवानिवृत्त) दविंदर सिंह गहलोत तथा भारत भारती के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री विनय पत्राले ने भी माननीय उप राज्यपाल से शिष्टाचार भेंट की।

जी.बी. पंत अस्पताल में शल्य चिकित्सा संबंधी उपभोग्य सामग्री एवं टांके उपलब्ध

श्री विजय पुरम, 5 अक्टूबर। माननीय उप राज्यपाल, अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के श्री विजय पुरम स्थित जी.बी. पंत अस्पताल के भ्रमण के दौरान उनके संज्ञान में यह बात लाई गई कि कुछ मामलों में शल्य चिकित्सा उपचार की आवश्यकता वाले मरीजों को शल्य चिकित्सा संबंधी उपभोग्य सामग्री, शल्य टांके तथा अन्य आवश्यक शल्य चिकित्सा सामग्री बाहरी बाजार से खरीदने की सलाह दी जा रही है।

आम जनता को सूचित किया जाता है कि मरीजों की देखभाल के लिए नियमित रूप से उपयोग की जाने वाली शल्य चिकित्सा संबंधी उपभोग्य सामग्री, शल्य टांके तथा अन्य आवश्यक शल्य चिकित्सा सामग्री स्वास्थ्य सेवा निदेशालय, अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के अधीन स्वास्थ्य संस्थानों में उपलब्ध है।

अतः मरीजों एवं उनके परिजनों को सलाह दी जाती है कि वे अपने उपचार के लिए आवश्यक शल्य चिकित्सा संबंधी उपभोग्य सामग्री, टांके अथवा अन्य शल्य चिकित्सा सामग्री स्वयं बाहरी बाजार से न खरीदें।

यदि किसी मरीज अथवा उसके परिजन को ऐसी सामग्री बाहर से खरीदने के लिए कहा या सलाह दी जाती है, तो उनसे अनुरोध है कि वे संबंधित विवरण सहित इस मामले की सूचना निदेशक, स्वास्थ्य सेवा, अण्डमान तथा

निकोबार प्रशासन को तत्काल दें, ताकि मामले की जांच कर उचित कार्रवाई की जा सके।

माननीय उप राज्यपाल के निर्देशों के अनुपालन में सभी अस्पताल प्राधिकारियों एवं उपचाररत चिकित्सकों को एक परिपत्र जारी किया गया है, जिसमें निर्देश दिया गया है कि किसी भी मरीज अथवा उसके परिजन को उपचार के लिए आवश्यक शल्य चिकित्सा संबंधी उपभोग्य सामग्री, टांके अथवा अन्य किसी भी सामग्री को बाहरी बाजार से खरीदने की सलाह या आवश्यकता न बताई जाए तथा उक्त परिपत्र में निर्धारित प्रक्रियाओं एवं निर्देशों का कड़ाई से पालन किया जाए।

अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन का स्वास्थ्य सेवा निदेशालय सरकारी स्वास्थ्य सेवा प्रणाली के माध्यम से मरीजों को आवश्यक दवाओं, शल्य चिकित्सा संबंधी उपभोग्य सामग्री एवं चिकित्सा आपूर्ति की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा मरीजों पर अनावश्यक आर्थिक बोझ न पड़ने देने के लिए प्रतिबद्ध है।

यहां प्राप्त प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि स्वास्थ्य सेवा निदेशालय आम जनता से भी सहयोग का अनुरोध करता है। यदि इस प्रकार का कोई मामला सामने आता है, तो उसकी सूचना विभाग को दी जाए, ताकि समयबद्ध तरीके से आवश्यक सुधारात्मक कार्रवाई की जा सके।

शहीद द्वीप पुलिस ने उप राज्यपाल के निर्देशों का किया अनुपालन, महिलाओं एवं बालिकाओं के लिए आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम "अपराजिता" शुरू

श्री विजय पुरम, 5 अक्टूबर। माननीय उप राज्यपाल, अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के शहीद द्वीप दौरे के दौरान दिए गए निर्देशों के अनुपालन में बालिकाओं एवं महिलाओं को आत्मरक्षा तकनीकों, आत्मविश्वास तथा चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में प्रभावी ढंग से प्रतिक्रिया देने के लिए जागरूकता से सशक्त बनाने तथा उनकी व्यक्तिगत सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से शहीद द्वीप की विद्यालयी छात्राओं एवं स्थानीय महिलाओं के लिए विशेष आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम "अपराजिता" का शुभारंभ 5 अक्टूबर, 2026 को राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, शहीद द्वीप में किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन ग्राम पंचायत नील केंद्र, शहीद द्वीप की प्रधान श्रीमती पिंकी दास ने किया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम 5 अक्टूबर, 2026 से प्रारंभ हुआ, जिसमें प्रथम बैच में शहीद द्वीप की 85 महिलाओं एवं बालिकाओं ने भाग लिया। यह प्रथम बैच 5 से 16 अक्टूबर, 2026 तक चलेगा। कार्यक्रम का उद्देश्य युवा बालिकाओं एवं महिलाओं को आवश्यक आत्मरक्षा कौशल प्रदान करने के साथ-साथ ऐसी परिस्थितियों में शांत एवं प्रभावी ढंग



से प्रतिक्रिया देने के लिए आत्मविश्वास विकसित करना है, जिनमें उनकी व्यक्तिगत सुरक्षा को खतरा उत्पन्न हो सकता है। इस पहल के माध्यम से महिलाओं की सुरक्षा, जागरूकता एवं सशक्तीकरण का संदेश सीधे समुदाय तक पहुंचाने का भी प्रयास किया जा रहा है।

जि.प. अध्यक्ष माउंट मणिपुर में आयोजित पक्षी अवलोकन एवं ट्रेकिंग कार्यक्रम में शामिल हुए



श्री विजय पुरम, 5 अक्टूबर। 72वें वन्यजीव सप्ताह—2026 के अवसर पर दक्षिण अण्डमान वन प्रभाग द्वारा 5 अक्टूबर, 2026 को माउंट मणिपुर राष्ट्रीय उद्यान में पक्षी अवलोकन एवं ट्रेकिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें दक्षिण अण्डमान के विभिन्न विद्यालयों के छात्रों एवं शिक्षकों ने भाग लिया। कार्यक्रम प्रातः 7 बजे माउंट मणिपुर राष्ट्रीय उद्यान के मुख्य द्वार से शुरू हुआ और माउंट मणिपुर स्थित वन विश्राम गृह में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में छह विद्यालयों के कुल 31 छात्रों ने भाग लिया।

दक्षिण अण्डमान जिला परिषद के अध्यक्ष श्री पी. उमर ने कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। इस अवसर पर दक्षिण अण्डमान के प्रभागीय वन अधिकारी, सहायक वन संरक्षक (मुख्यालय) दक्षिण अण्डमान, मनारघाट के रेंज

अधिकारी, माउंट मणिपुर वन्यजीव रेंज के रेंज अधिकारी तथा वन विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी भी उपस्थित रहे। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार दक्षिण अण्डमान के प्रभागीय वन अधिकारी ने प्रतिभागियों को वन्यजीव सप्ताह के महत्व तथा वन्यजीवों, वनों और प्राकृतिक आवासों के संरक्षण के महत्व के बारे में जानकारी दी। ट्रेकिंग के दौरान छात्रों ने माउंट मणिपुर की समृद्ध जैव विविधता का प्रत्यक्ष अवलोकन किया तथा लगभग 20 प्रजातियों के पक्षियों को देखा। उन्होंने क्षेत्र के वनों के प्रकार, वनस्पतियों तथा पारिस्थितिक महत्व के बारे में भी जानकारी प्राप्त की। इस कार्यक्रम से छात्रों को प्रत्यक्ष क्षेत्रीय अनुभव प्राप्त हुआ तथा वन्यजीव, जैव विविधता और द्वीपसमूह की प्राकृतिक विरासत के संरक्षण के प्रति उनकी जागरूकता में वृद्धि हुई।

स्वच्छता ही सेवा अभियान—2026: जागरूकता कार्यक्रम एवं पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित



श्री विजय पुरम, 5 अक्टूबर।

भारतीय मानवविज्ञान सर्वेक्षण, अण्डमान तथा निकोबार क्षेत्रीय केन्द्र, श्री विजय पुरम द्वारा स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत श्री विजय पुरम के राजकीय बालिका वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में स्वच्छता ही सेवा 2026 विशेष अभियान 6.0 के विभिन्न कार्यक्रमों के क्रम में विद्यालय के सहयोग से स्वच्छता ही सेवा विषय पर प्राथमिक स्तर कक्षा में चित्रकला एवं वरिष्ठ स्तर पर निबंध प्रतियोगिता आयोजित किया था। जिसके परिणामों के तहत 5 अक्टूबर 2026 को पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में स्वच्छ भारत मिशन के एम्बेस्डर एवं पदम श्री से विभूषित श्री नरेश चंद्र लाल मुख्य अतिथि थे। कार्यक्रम के प्रारंभ में सर्वप्रथम भारतीय मानवविज्ञान सर्वेक्षण, अण्डमान तथा निकोबार क्षेत्रीय केन्द्र, श्री विजय पुरम के कार्यालय अध्यक्ष श्री सात्यकी पॉल के स्वागत भाषण से हुआ।

कार्यक्रम के मुख्य भाग में श्री नरेश चंद्र लाल ने अपने संबोधन द्वारा सभी बच्चों से स्वच्छता के प्रति सजग रहने एवं स्वच्छता के क्षेत्र में उनके अनुभव सहित स्वच्छ भारत मिशन के एम्बेस्डर बनने से लेकर अब तक



के उनके स्मरणीय अनुभवों को सभी के साथ साझा किया। उनके प्रेरणादायी वचनों ने सभी उपस्थिति में उत्साह एवं जोश भर दिया। इसके पश्चात् विद्यालय के प्रधानाचार्य श्रीमती अर्चना सिंह द्वारा सभी को स्वच्छता की शपथ दिलाई।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार कार्यक्रम के दौरान प्रतियोगिता के विजेताओं को मुख्य अतिथि एवं प्रधानाचार्य के द्वारा पुरस्कार सहित प्रमाणपत्र प्रदान किया गया। साथ ही, कार्यक्रम में स्वच्छता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता एवं जनभागीदारी का कायम रखते हुए सर्वेक्षण के क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा विद्यालय में घरेलू/गीला/सूखा अपशिष्टों के लिए तीन कूड़ा दान प्रदान किया गया। कार्यक्रम का समापन श्री आर. बालाजी, कनिष्ठ अनुवादक के धन्यवाद ज्ञापन से हुआ।

पांडिचेरी विश्वविद्यालय द्वारा नवंबर/दिसंबर 2026 की बकाया परीक्षाएं

श्री विजय पुरम, 5 अक्टूबर। पांडिचेरी विश्वविद्यालय द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी)/चॉइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम (सीबीसीएस) पाठ्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न स्नातक पाठ्यक्रमों की नवंबर/दिसंबर, 2026 की बकाया परीक्षाएं अण्डमान कॉलेज (एनकॉल), श्री विजय पुरम में आयोजित की जाएंगी। बकाया प्रश्नपत्र वाले पात्र पूर्व छात्र आवश्यक

परीक्षा शुल्क के साथ 7 अक्टूबर तक कार्यालय समय के दौरान एनकॉल के परीक्षा प्रकोष्ठ में पंजीकरण करा सकते हैं।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार परीक्षाएं अस्थायी रूप से 16 नवंबर से 16 दिसंबर तक आयोजित किए जाने की संभावना है। परीक्षा की अंतिम समय—सारणी पांडिचेरी विश्वविद्यालय द्वारा अलग से अधिसूचित की जाएगी।

शहीद द्वीप पुलिस ने उप राज्यपाल के

—पृष्ठ 1 का शेष

यह कार्यक्रम सुरक्षित एवं अधिक सशक्त समाज के निर्माण के प्रति पुलिस विभाग की प्रतिबद्धता को दर्शाता है तथा पुलिस एवं आम जनता के बीच संबंधों को और मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। कार्यक्रम महिलाओं एवं बालिकाओं को बिना किसी झिझक के पुलिस से संपर्क करने के लिए प्रोत्साहित करता है तथा सुरक्षा, आत्मविश्वास एवं जागरूकता की संस्कृति को बढ़ावा देता है।

दक्षिण अण्डमान जिला पुलिस अधीक्षक से प्राप्त प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, एसआई पी. जीवन, थाना प्रभारी, शहीद द्वीप पुलिस थाना के पर्यवेक्षण तथा श्री कथिरवन ई.,

आईपीएस, एसडीपीओ (स्वराज द्वीप) के सक्षम मार्गदर्शन एवं पर्यवेक्षण में पीसी एस. निरुषा एवं पीसी सुनीता देवी का सहयोग से प्रशिक्षण सत्र आईआरबीएन कमांडो एवसी/021105 मनोज द्वारा संचालित किए जा रहे हैं, जो कराटे में ब्लैक बेल्ट धारक तथा राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड से प्रशिक्षित कमांडो हैं।

विज्ञप्ति में आम जनता से अनुरोध किया गया है कि किसी भी अपराध अथवा अन्य अवैध गतिविधियों से संबंधित सूचना पुलिस को 112, 03192-232100 तथा 03192-236641 पर साझा करें। सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान पूर्णतः गोपनीय रखी जाएगी।

अण्डमान निकोबार कमान की रजत जयंती: वीर शहीदों को दी गई श्रद्धांजलि



श्री विजय पुरम, 5 अक्टूबर।

अण्डमान निकोबार कमान की रजत जयंती समारोह के उपलक्ष्य में आज ब्रिचगंज युद्ध स्मारक में एक गरिमापूर्ण पुष्पांजलि समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर राष्ट्र की सेवा में सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। अण्डमान निकोबार कमान के कमांडर—इन—चीफ वाइस एडमिरल विनीत मैककार्टी,

एवीएसएम, ने युद्ध स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित कर वीर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। पूर्व सैनिकों एवं सैन्य समुदाय के सदस्यों ने भी वीर जवानों के सम्मान में पुष्पचक्र अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। समारोह के दौरान उपस्थित सभी लोगों ने राष्ट्र के वीर शहीदों के साहस, निस्वार्थ सेवा और सर्वोच्च बलिदान को स्मरण करते हुए गहरी श्रद्धा एवं सम्मान व्यक्त किया।

यह अवसर अण्डमान निकोबार कमान के लिए विशेष महत्व रखता है, क्योंकि कमान अपनी 25 वर्षों की समर्पित सेवा का स्मरण कर रही है। साथ ही, इन सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण

द्वीपों में सेवा देने वाली विभिन्न पीढ़ियों के सैन्यकर्मियों के योगदान एवं बलिदान को भी सम्मानित किया जा रहा है। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार पूर्व सैनिकों की उपस्थिति ने कमान की गौरवशाली विरासत तथा पीढ़ी—दर—पीढ़ी जारी सेवा की निरंतरता की मार्मिक याद दिलाई। उनका साहस, प्रतिबद्धता और कर्तव्य के प्रति समर्पण आज भी सेवारत सैन्यकर्मियों को प्रेरित करता है। इस समारोह ने वीर शहीदों को सदैव स्मरण करने, उनके बलिदान का सम्मान करने तथा राष्ट्र के प्रति उनकी सेवा की विरासत को आगे बढ़ाने की कमान की अटूट प्रतिबद्धता को पुनः पुष्ट किया।

द्वीपों की 70 ग्राम पंचायतों में विशेष ग्राम सभा का आयोजन

श्री विजय पुरम, 5 अक्टूबर। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर 2 अक्टूबर, 2026 को राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान (आरजीएसए) के तहत संचालित जन योजना अभियान (पीपीसी) के अंतर्गत अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह की 70 ग्राम पंचायतों में विशेष ग्राम सभा का आयोजन किया गया। ग्राम सभाओं में प्र. ानों, पंचायती राज संस्थाओं के प्रतिनिधियों, सरकारी अधिकारियों एवं स्थानीय निवासियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। इससे जमीनी स्तर पर योजना निर्माण एवं स्थानीय शासन में जनभागीदारी के महत्व की पुनः पुष्टि हुई।

विशेष ग्राम सभा के दौरान ग्राम पंचायत विकास योजना (जीपीडीपी) तथा समुदाय की आवश्यकताओं के आधार पर स्थानीय विकास की प्राथमिकताओं की पहचान के संबंध में चर्चा की गई। जमीनी स्तर पर विभिन्न सरकारी योजनाओं एवं कल्याणकारी कार्यक्रमों के बारे में जागरूकता बढ़ाने और उनके लाभों तक बेहतर पहुंच सुनिश्चित करने के उद्देश्य से भी चर्चा की गई। ग्राम सभाओं में स्वच्छता ही सेवा—2026, स्वच्छता एवं साफ—सफाई, अपशिष्ट प्रबंधन, सामुदायिक भागीदारी,



डिजिटल एवं साइबर सुरक्षा, नए आपराधिक कानूनों के संबंध में जागरूकता तथा स्थानीय महत्व के अन्य विषयों पर चर्चा के लिए भी मंच प्रदान किया गया।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार गांधी जयंती के अवसर पर आयोजित विशेष ग्राम सभा ने भागीदारीपूर्ण लोकतंत्र, सामुदायिक स्वामित्व एवं समावेशी विकास के सिद्धांतों को रेखांकित किया। इस दौरान ग्राम पंचायतों को विकास संबंधी पहलों की योजना बनाने एवं उनके क्रियान्वयन के लिए प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित करने पर बल दिया गया।

किसी अन्य व्यक्ति की पहचान का उपयोग कर फर्जी ऑनलाइन शिकायतें दर्ज करने के प्रति साइबर अपराध पुलिस थाना ने आम जनता को किया सावधान

श्री विजय पुरम, 5 अक्टूबर। अण्डमान तथा निकोबार पुलिस के साइबर अपराध । पुलिस थाने ने उप राज्यपाल सहायता डेस्क शिकायत पोर्टल के माध्यम से किसी अन्य व्यक्ति के नाम एवं पहचान का कथित रूप से धोखाधड़ीपूर्ण उपयोग कर झूठी शिकायतें दर्ज करने के कई मामलों का पता लगाया है।

यह मामला उस समय सामने आया जब एक व्यक्ति को पता चला कि उसकी जानकारी, सहमति या अनुमति के बिना उसके नाम अथवा उसकी पहचान या उसके संगठन की पहचान का उपयोग करते हुए किसी लोक प्राधिकारी के समक्ष शिकायत दर्ज की गई है। इसके बाद उसने साइबर अपराध पुलिस थाने से संपर्क किया, जिसके आधार पर भारतीय न्याय संहिता, 2023 की संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई। आम जनता को सलाह दी जाती है कि:

- किसी अन्य व्यक्ति के नाम, मोबाइल नंबर, ई—मेल आईडी अथवा पहचान संबंधी विवरण का उपयोग ऑनलाइन शिकायत या परिवाद दर्ज करने के लिए कभी न करें।
- सरकारी पोर्टल अथवा सामाजिक माध्यमों के जरिए

झूठी, मनगढ़ंत अथवा किसी अन्य व्यक्ति के रूप में प्रस्तुत होकर शिकायतें न बनाएं और न ही दर्ज करें। अपने नाम से प्राप्त किसी भी शिकायत की प्रामाणिकता की जांच करें तथा किसी व्यक्ति की पहचान का प्रतिरूपण किए जाने अथवा पहचान के दुरुपयोग की आशंका होने पर तत्काल संबंधित प्राधि कारी अथवा साइबर अपराध पुलिस थाने को इसकी सूचना दें।

ऐसी घटनाओं की सूचना देते समय स्क्रीनशॉट, शिकायत संख्या, ई—मेल, संदेश तथा अन्य संबंधित डिजिटल साक्ष्य सुरक्षित रखें।

आधिकारिक शिकायत निवारण माध्यमों का जिम्मेदारीपूर्वक उपयोग करें और केवल वास्तविक एवं तथ्यात्मक रूप से सही जानकारी ही प्रस्तुत करें।

प्राप्त विज्ञप्ति में नागरिकों को ऑनलाइन धोखाधड़ी के प्रति सतर्क रहने की सलाह दी गई है। किसी भी साइबर वित्तीय धोखाधड़ी की स्थिति में तत्काल राष्ट्रीय साइबर अपराध हेल्पलाइन नंबर 1930 अथवा साइबर अपराध पुलिस थाना हेल्पलाइन नंबर 03192-230668 एवं 9531856083 पर सूचना दें या राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल के माध्यम से शिकायत दर्ज करें।

एनएससीबीआईपीटीआई, अण्डमान विधि महाविद्यालय के साथ समझौता ज्ञापन पर करेगा हस्ताक्षर विधि के छात्रों ने पुलिस प्रशिक्षण संस्थान का किया शैक्षणिक भ्रमण

श्री विजय पुरम, 5 अक्टूबर। अण्डमान विधि महाविद्यालय (एएलसी) और नेताजी सुभाष चंद्र बोस पुलिस प्रशिक्षण संस्थान (एनएससीबीआईपीटी) के बीच शैक्षणिक सहयोग, संसाधनों के आदान-प्रदान आदि के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए जाने हैं। एनएससीबीआईपीटी के प्रधानाचार्य श्री उमा शंकर ने अण्डमान विधि महाविद्यालय के भ्रमण पर आए छात्रों को इस संबंध में जानकारी दी। अण्डमान विधि महाविद्यालय के सभी पांच बैचों ने अपने शैक्षणिक ज्ञान को बढ़ाने के उद्देश्य से शैक्षणिक भ्रमण के तहत एनएससीबीआईपीटी का दौरा किया। भ्रमण के दौरान छात्रों को उस संस्थान की सुविधाओं एवं कार्यप्रणाली को जानने और देखने का अवसर मिला, जिसे पुलिस प्रशिक्षण विद्यालय से उन्नत कर पुलिस प्रशिक्षण संस्थान बनाया गया है।

परिसर में भाषा एवं कंप्यूटर प्रयोगशाला, व्यायामशाला, पुस्तकालय और सम्मेलन कक्ष जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं। प्रशिक्षण संस्थान के अनुरूप परिसर स्वच्छ, हरा-भरा और सुव्यवस्थित है। छात्रों ने पुलिस अधिकारियों द्वारा दिए गए व्याख्यानों में भी भाग लिया। पुलिस अधिकारियों से उनके विचार एवं अनुभव सुनना विधि के छात्रों के लिए एक महत्वपूर्ण अनुभव रहा।

एनएससीबीपीटीआई के उप निरीक्षक श्री अब्दुरहमान ने 'अण्डमान तथा निकोबार पुलिस का संगठन' विषय पर व्याख्यान



दिया तथा पुलिस के विभिन्न पदों एवं पदानुक्रम के बारे में विस्तार से बताया। एक अन्य सत्र में एनएससीबीपीटीआई के उप निरीक्षक श्री दीपक मुखर्जी ने 'पुलिस की भूमिका एवं ज़िम्मेदारियां' विषय पर छात्रों को जानकारी दी।

एनएससीबीपीटीआई के उप निरीक्षक श्री दिलीप कुमार सील ने पुलिस की सार्वजनिक छवि तथा जनता के साथ उसके संबंधों पर चर्चा की। इन सत्रों के दौरान छात्रों ने सक्रिय रूप से संवाद किया और विभिन्न विषयों पर प्रश्न पूछे।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार सहायक प्रोफेसर (अंग्रेजी) सुश्री निशा सिकंदर नवनामांकित प्रथम वर्ष के छात्रों के साथ इस शैक्षणिक भ्रमण में उपस्थित रहें। प्राचार्य श्री पी. वी. एन. सरमा ने छात्रों को भ्रमण की अनुमति प्रदान करने तथा शैक्षणिक भ्रमण को सुविधाजनक बनाने के लिए संबंधित अधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

72वां वन्यजीव सप्ताह समारोह—2026 : जैविक उद्यान, चिड़ियाटापू में द्वीपों की स्थानिकता पर जागृति लाई गई

श्री विजय पुरम, 5 अक्टूबर। 72वें वन्यजीव सप्ताह समारोह—2026 के अवसर पर जैविक उद्यान, चिड़ियाटापू द्वारा अण्डमान कॉलेज (एनकॉल) के छात्रों के लिए अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह की स्थानिक जैव विविधता विषय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। जैविक उद्यान के उप निदेशक ने छात्रों को अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह की विशिष्ट स्थानिक वनस्पतियों एवं जीव-जंतुओं के बारे में जानकारी दी। उन्होंने द्वीपसमूह के पारिस्थितिक महत्व तथा इसके नाजुक पारिस्थितिकी तंत्र एवं समृद्ध जैविक विरासत के संरक्षण के महत्व पर भी प्रकाश डाला।

कार्यक्रम के तहत छात्रों ने जैविक उद्यान, चिड़ियाटापू का भ्रमण किया, जहां उन्हें वन्यजीवों को प्रत्यक्ष रूप से देखने तथा उद्यान द्वारा संचालित वन्यजीव संरक्षण, बचाव, पुनर्वास एवं जागरूकता संबंधी गतिविधियों के बारे में प्रत्यक्ष जानकारी प्राप्त करने का अवसर मिला। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार कार्यक्रम को अधिक रोचक



एवं अनुभववात्मक बनाने के लिए जैविक उद्यान परिसर में एक रोमांचक खज़ाना खोज गतिविधि का आयोजन भी किया गया। छात्रों ने इस गतिविधि में उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

एनसीसी कैडेटों ने स्वच्छता एवं वृक्षारोपण गतिविधियों में लिया भाग



श्री विजय पुरम, 5 अक्टूबर। राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) की सामाजिक ज़िम्मेदारी एवं पर्यावरण जागरूकता संबंधी निरंतर गतिविधियों के अंतर्गत 1 (अण्डमान तथा निकोबार) स्वतंत्र पैदल सेना कंपनी एनसीसी, जंगलीघाट, श्री विजय पुरम के कैडेटों ने 1 एवं 2 अक्टूबर, 2026 को "स्वच्छता गतिविधि" तथा "एक पेड़ माँ के नाम" वृक्षारोपण अभियान में सक्रिय रूप से भाग लिया।

स्वच्छता गतिविधि के अंतर्गत 1 अक्टूबर को जवाहरलाल नेहरू राजकीय महाविद्यालय (जेएनआरएम) में स्वच्छता अभियान चलाया गया, जिसमें एनसीसी के 98 कैडेटों ने एनसीसी के कर्मचारियों के साथ मिलकर सहभागिता की।

इसी क्रम में 2 अक्टूबर को विभिन्न विद्यालयों में स्वच्छता अभियान आयोजित किए गए। इनमें राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, स्वराज द्वीप, निर्मला वरिष्ठ माध्यमिक



विद्यालय, पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय—1, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, डिगलीपुर तथा राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, कालीघाट शामिल रहे। इन अभियानों में एनसीसी कैडेटों एवं कर्मचारियों ने सक्रिय सहभागिता की।

"एक पेड़ माँ के नाम" वृक्षारोपण अभियान के अंतर्गत विभिन्न स्थानों पर कुल 205 पुष्पीय एवं फलदार पौधों का रोपण किया गया। इनमें 150 पौधे दक्षिण अण्डमान के जेएनआरएम महाविद्यालय, श्री विजय पुरम में, 30 पौधे उत्तर अण्डमान के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, कालीघाट में तथा 25 पौधे राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, डिगलीपुर में लगाए गए। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार इन सभी गतिविधियों का आयोजन 1 (अण्डमान तथा निकोबार) स्वतंत्र पैदल सेना कंपनी एनसीसी, जंगलीघाट, श्री विजय पुरम के कमान अधिकारी के मार्गदर्शन में किया गया।

72वां वन्यजीव सप्ताह समारोह—2026 : अग्रिम पंक्ति के वन कर्मियों के लिए वन्यजीव संरक्षण, सुरक्षा कानून एवं प्रवर्तन पर कानूनी कार्यशाला हुई



श्री विजय पुरम, 5 अक्टूबर। 72वें वन्यजीव सप्ताह समारोह—2026 के अवसर पर अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के पर्यावरण एवं वन विभाग द्वारा आज वन प्रशिक्षण संस्थान (एफटीआई), विम्बलीगंज में अग्रिम पंक्ति के वन कर्मियों के लिए वन्यजीव संरक्षण, सुरक्षा कानून एवं प्रवर्तन विषय पर कानूनी कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला का आयोजन भारत सरकार के वन्यजीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो (डब्ल्यूसीसीबी), दक्षिणी परिक्षेत्र, चेन्नई के सहयोग से किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित डॉ. एस. दिनेश कन्नन, भा.व.से., मुख्य वन संरक्षक (क्षेत्रीय) ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह की समृद्ध जैव विविधता की सुरक्षा में अग्रिम पंक्ति के वन कर्मियों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने वन्यजीव कानूनों से संबंधित ज्ञान को निरंतर अद्यतन करने, वन्यजीव अपराधों से निपटते समय पेशेवर सतर्कता बरतने, उचित दस्तावेजीकरण करने तथा निर्धारित कानूनी प्रक्रियाओं का पालन करने की आवश्यकता पर बल दिया।

वन रेंजर श्री विजय किशन ने उपस्थितजनों का स्वागत किया, जबकि श्री अजीत वी. जॉन, एसएफएस, निदेशक,

एफटीआई ने परिचयात्मक संबोधन दिया। तकनीकी सत्र श्रीमती शांति मुथुरवामी पिल्लै, वन्यजीव निरीक्षक, वन्यजीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो (डब्ल्यूसीसीबी), चेन्नई द्वारा संसाधन व्यक्ति के रूप में संचालित किए गए।

तकनीकी सत्रों में वन्यजीव संरक्षण, वन्यजीव सुरक्षा कानूनों, संबंधित कानूनी प्रावधानों तथा प्रवर्तन प्रक्रियाओं के महत्वपूर्ण पहलुओं को शामिल किया गया। संसाधन व्यक्ति द्वारा कराई गई संवादात्मक चर्चाओं एवं व्यावहारिक जानकारी से प्रतिभागियों को वन्यजीव अपराधों के प्रवर्तन से जुड़ी कानूनी एवं क्षेत्रीय स्तर की चुनौतियों को बेहतर ढंग से समझने में सहायता मिली। समापन सत्र में श्री जोजू पी. अल्लापट्ट, वन संरक्षक (वन्यजीव), श्री एस. शरत, सहायक वन संरक्षक, दक्षिण अण्डमान, तथा श्री ए. के. सिंह, सहायक वन संरक्षक, वन्यजीव प्रभाग उपस्थित रहे। अधिकारियों ने प्रतिभागियों से संवाद किया और इस पहल की सराहना की। उन्होंने क्षेत्रीय कर्मचारियों को कार्यशाला के दौरान अर्जित ज्ञान को अपने दैनिक कर्तव्यों में प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए प्रोत्साहित किया। वन रेंजर श्री राजू राठौर ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम के समापन पर प्रतिभागियों को सहभागिता प्रमाण-पत्र वितरित किए गए।

पशुपालकों को सस्ती एवं गुणवत्तापूर्ण पशु औषधियां उपलब्ध कराने के लिए 'पशु औषधि विक्रय केंद्र' योजना शुरू

श्री विजय पुरम, 5 अक्टूबर। भारत सरकार ने पशुधन स्वास्थ्य एवं रोग नियंत्रण कार्यक्रम के तहत पशुपालकों, विशेषकर ग्रामीण एवं दूरदराज के क्षेत्रों में रहने वाले पशुपालकों को गुणवत्तापूर्ण पशु औषधियां आसानी से एवं किफायती दरों पर उपलब्ध कराने के लिए एक नई योजना शुरू की है। 'पशु औषधि विक्रय केंद्र' नामक इन औषधि केंद्रों पर केवल भारतीय फार्मास्यूटिकल एवं चिकित्सा उपकरण ब्यूरो (पीएमबीआई) द्वारा उपलब्ध कराई जाने वाली जेनेरिक पशु औषधियों की बिक्री की जाएगी। इस पहल का उद्देश्य किसानों की उपचार संबंधी लागत को कम करने के साथ-साथ देशभर में पशु स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार करना है। पंजीकृत प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केंद्र (पीएम-केएसके) तथा सहकारी समितियां इन केंद्रों की स्थापना कर सकती हैं। आवेदकों के पास कम से कम 120 वर्ग फुट का स्थान (स्वामित्व वाला अथवा किराए पर लिया हुआ), बी.फार्मा या डी.फार्मा की डिग्रीधारी पंजीकृत फार्मासिस्ट तथा राज्य औषधि नियंत्रण प्राधिकरण द्वारा जारी वैध औषधि बिक्री लाइसेंस होना आवश्यक है। प्रत्येक राजस्व खंड में केवल एक केंद्र खोलने की अनुमति होगी तथा अधिक पशुधन आबादी वाले

क्षेत्रों को प्राथमिकता दी जाएगी। संचालकों को प्रत्येक औषधि 1 के बिक्री मूल्य (कर को छोड़कर) पर 20 प्रतिशत मार्जिन प्राप्त होगा। आकांक्षी जिलों, पहाड़ी क्षेत्रों, द्वीपों तथा पूर्वोत्तर राज्यों में खोले गए केंद्रों के लिए 1.5 लाख रुपये की एकमुश्त प्रोत्साहन राशि उपलब्ध होगी। इसके अतिरिक्त, केंद्र में रखे गए स्टॉक तथा बिक्री की मात्रा के आधार पर प्रतिमाह अतिम 1कतम 20,000 रुपये का प्रोत्साहन भी प्रदान किया जाएगा। इन केंद्रों पर केवल पीएमबीआई द्वारा उपलब्ध कराई गई औषधियों की बिक्री की जा सकेगी और सभी बिलिंग आदि कारिक प्वाइंट-ऑफ-सेल (पीओएस) प्रणाली के माध्यम से करनी होगी। जातीय पशु-चिकित्सकीय उत्पादों तथा प्रमाणित पशु आहार की बिक्री की भी अनुमति होगी।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार इस योजना का संयुक्त रूप से पशुपालन एवं डेयरी विभाग, सहकारिता मंत्रालय तथा पीएमबीआई द्वारा कार्यान्वयन किया जा रहा है। आवेदन ऑनलाइन <https://pashuaushadhi.dahd.gov.in/> पर 5,000 रुपये के शुल्क के साथ जमा किए जा सकते हैं। आकांक्षी क्षेत्रों में स्थापित किए जाने वाले केंद्रों के लिए यह शुल्क माफ किया गया है।

कार निकोबार में आपदा प्रबंधन में मनोसामाजिक देखभाल पर प्रशिक्षण संचालित



कार निकोबार, 5 अक्टूबर। आज बी.जे.आर. अस्पताल, कार निकोबार के सम्मेलन कक्ष में 'आपदा प्रबंधन में मनोसामाजिक देखभाल' विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य आपदा के दौरान प्रभावी ढंग से प्रतिक्रिया देने तथा प्रभावित व्यक्तियों, परिवारों और समुदायों को उचित मनोसामाजिक सहायता प्रदान करने के लिए अग्रिम पंक्ति के कर्मियों के ज्ञान, कौशल एवं तैयारी को सुदृढ़ करना था। प्रशिक्षण कार्यक्रम में बी.जे.आर. अस्पताल, कार निकोबार की चिकित्सा अधीक्षक डॉ. ग्रेस, शिक्षक, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, एच.ई., एल.एच.वी., पी. एच.एन., सी.एच.ओ. तथा ए.एन.एम. ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत आपदाओं एवं आपदा तैयारी विषय

पर परिचयात्मक सत्र से हुई, जिसे डॉ. मोहम्मद शफीक, चिकित्सा अधिकारी (होम्योपैथी) ने संबोधित किया। इसके बाद डॉ. जीजी पॉल, चिकित्सा अधिकारी (आरबीएसके-होम्योपैथी) ने आपदा प्रबंधन में मनोसामाजिक देखभाल विषय पर जानकारी दी।

एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम (आईडीएसपी) के अंतर्गत लू से बचाव की तैयारी एवं आपदा संबंधी रिपोर्टिंग पर सत्र जिला महामारी विज्ञानी डॉ. शारदा लाल द्वारा आयोजित किया गया। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार प्रशिक्षण कार्यक्रम में संवादात्मक चर्चाओं, व्यावहारिक गतिविधियों एवं सहभागितापूर्ण शिक्षण को शामिल किया गया, जिससे सभी प्रतिभागियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित हुई।

शपथ पत्र
मैं, श्रेया गांगुली, पत्नी श्री सुदीप बनर्जी, निवासी जंगलीघाट गाँव, श्री विजय पुरम तहसील, दक्षिण अण्डमान जिला, एतद्वारा सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञान करती हूँ और घोषणा करती हूँ कि : - मैं इन द्वीपों की स्थायी निवासी हूँ। - मेरा नाम अनजाने में, असम सरकार के स्वास्थ्य सेवा विभाग द्वारा जारी मेरे जन्म प्रमाण–पत्र में “श्रेया गांगुली” (SREYA GANGULY) के स्थान पर “श्रेया गांगुली” (SREYA GANGULI) दर्ज हो गया है। - मेरा सही नाम श्रेया गांगुली (SREYA GANGULY) है, जैसा कि मेरे आधार कार्ड संख्या 930449722330 में श्रेया गांगुली के रूप में दर्ज है। - मैं कहती हूँ कि मेरे नाम “श्रेया गांगुली” (SREYA GANGULI) और “श्रेया गांगुली” (SREYA GANGULY) एक ही हैं और दोनों नाम केवल मेरे ही हैं इसलिए यह शपथ–पत्र प्रस्तुत है। - यह कि पैरा 1 से 4 में किए गए कथन मेरी जानकारी और विश्वास के अनुसार सत्य हैं। दिनांक: 21 /09 /2026 स्थान: श्री विजय पुरम नोट: हिंदी में दोनों वर्तनिष्ों (GANGULI और GANGULY) एक जैसी “गांगुली” लिखी जाती हैं, इसलिए मैंने अंग्रेजी वर्तनी कोष्ठक में दी है ताकि अंतर स्पष्ट रहे। यही इस शपथ पत्र का मूल बिंदु है।
शपथकर्ता

शपथ पत्र
मैं, श्रेया गांगुली, पत्नी श्री सुदीप बनर्जी, निवासी जंगलीघाट गाँव, श्री विजय पुरम तहसील, दक्षिण अण्डमान जिला, एतद्वारा सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञान करती हूँ और घोषणा करती हूँ कि : - मैं इन द्वीपों की स्थायी निवासी हूँ। - मेरे पुत्र (सायन बनर्जी) के जन्म प्रमाण पत्र में, जो जलपाईगुडी नगरपालिका, पश्चिम बंगाल सरकार, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा जारी किया गया है, मेरा नाम भूलवश “श्रेया बनर्जी” दर्ज हो गया है, जबकि वह “श्रेया गांगुली” होना चाहिए था। - मेरा सही नाम “श्रेया गांगुली” है, जैसा कि मेरे आधार कार्ड संख्या 930449722330 में अंकित है। - मैं कहती हूँ कि मेरा नाम “श्रेया बनर्जी” और “श्रेया गांगुली” एक ही हैं और दोनों नाम केवल मेरे ही हैं। अतः यह शपथ पत्र प्रस्तुत है। यह कि पैरा 1 से 4 तक के कथन मेरी जानकारी और विश्वास के अनुसार सत्य हैं। दिनांक: 21 /09 /2026 स्थान: श्री विजय पुरम नोट: “Sreya” की हिंदी वर्तनी “श्रेया” भी लिखी जा सकती है, आधिकारिक दस्तावेजों में आप जो वर्तनी इस्तेमाल करती हैं, वही रखें।
शपथकर्ता

ई–निविदा सूचना
Proc-200/4/2023-JR ASST (TSM)-ANIIDCO-AN/3676 दिनांक 25.09.2026 हॉर्न बिल नेस्ट रिसॉर्ट, श्री विजय पुरम के लिए ब्रॉयलर चिकन, मटन, अंडे एवं पैकेज ब्रांडेड फ़ोजन चिकन/मटन वार्षिक आधार पर आपूर्ति हेतु ऑनलाइन ई–निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। निविदा के नियम और शर्तों युक्त दस्तावेज वेब साइट https://eprocure.andamannicobar.gov.in/ से डाउनलोड कर सकते हैं अथवा प्रबंधक, (पर्यटन), अनिडको, विकास भवन, श्री विजय पुरम से भी सभी कार्य दिवसों के दौरान दिनांक 15.10.2026 सायं 5.00 बजे तक प्राप्त किया जा सकता है। निविदा दिनांक 16.10.2026 को पूर्वाहन 11.00 बजे तक या उससे पहले ऑनलाइन https://eprocure.andamannicobar.gov.in पर भरी जानी चाहिए। निविदा दस्तावेज मुहरबंद लिफाफे में रखकर निगमित कार्यालय स्थित टेंडर बॉक्स में दिनांक 16.10.2026 को दोपहर 12.00 बजे तक डाल दें, और तकनीकी बोली उसी दिन सायं 4.00 बजे निविदादाताओं या उनके प्राधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष खोला जाएगा। निगम के महाप्रबंधक (पर्यटन) के पास किसी भी निविदा को स्वीकार करने अथवा सभी को बिना कोई कारण बताए रद्द करने का अधिकार सुरक्षित होगा।
महाप्रबंधक (पर्यटन), अनिडको

स्वच्छता अभियान 6.0 में ई–कचरे और कबाड़ पर फोकस, पांच साल में 5,102 करोड़ रुपए की कमाई

नई दिल्ली।

केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और प्रधानमंत्री कार्यालय, परमाणु ऊर्जा विभाग, अंतरिक्ष विभाग तथा कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन विभाग में राज्यमंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने 'विशेष स्वच्छता अभियान 6.0' के कार्यान्वयन चरण का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि स्वच्छता अब महज साफ–सफाई तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सुशासन, सार्वजनिक संसाधनों के बेहतर उपयोग, लंबित मामलों में कमी और कचरे के जिम्मेदार प्रबंधन की स्थायी संस्र्ति बन चुकी है। अभियान के तहत पिछले पांच वर्षों में ई–कचरे और कबाड़ के निपटान से 5,102.91 करोड़ रुपए की कमाई हुई है, जबकि 1,049.54 लाख वर्ग फीट से अधिक कार्यालयी जगह खाली कराई गई है।

स्वच्छता अभियान से प्रशासनिक सुधार तक का सफर

डॉ. जितेंद्र सिंह ने 2014 में लाल किले की प्राचीर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छता आह्वान का उल्लेख करते हुए कहा कि यह पहल धीरे–धीरे जन–आंदोलन और फिर सरकारी कार्यालयों में संस्थागत प्रक्रिया में बदल गई। उन्होंने कहा कि शौचालय और साफ–सफाई से शुरु हुआ अभियान अब पुरानी फाइलों, बेकार फर्नीचर, ई–फाइलों, ई–कचरे और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के जिम्मेदार निपटान तक पहुंच गया है।

श्रमदान और पौधारोपण के साथ अभियान की शुरुआत

जितेंद्र सिंह ने प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग (डीएआरपीजी) द्वारा निर्धारित स्थल पर आयोजित कार्यक्रम में श्रमदान किया। उन्होंने 'एक पेड़ मां के नाम' पहल के तहत पौधे लगाए और पुराने रिकॉर्ड हटाने की प्रक्रिया की प्रतीकात्मक शुरुआत की। इस दौरान सफाई मित्रों को सुरक्षा किट और मिठाइयां देकर सम्मानित भी किया गया। डीएआरपीजी इस अभियान के लिए नोडल विभाग है।

सीएसआईआर मुख्यालय में भी चलाया गया अभियान

इसके बाद केंद्रीय मंत्री ने सीएसआईआर मुख्यालय पहुंचकर वैज्ञानिक एवं तकनीकी इकोसिस्टम में विशेष स्वच्छता अभियान 6.0 को आगे बढ़ाया। उन्होंने व्यापक सफाई अभियान का नेतृत्व किया और 'स्वच्छता सिग्नेचर कैंपेन' तथा पौधारोपण कार्यक्रम में भाग लिया। सफाई मित्रों को भी सम्मानित किया गया। सीएसआईआर में पुराने रिकॉर्ड और कबाड़ की समीक्षा, उनके निपटान, कार्यस्थल में सुधार तथा कार्यालयी स्थान के बेहतर प्रबंधन पर जोर दिया गया।

5,102 करोड़ रुपए से अधिक की हुई कमाई

डॉ. जितेंद्र सिंह ने बताया कि पिछले पांच वर्षों में ई–कचरे और कबाड़ के निपटान से 5,102.91 करोड़ रुपए की कमाई हुई है। इस दौरान सरकारी कार्यालयों में 1,049.54 लाख वर्ग फीट से अधिक जगह खाली कराकर उसका बेहतर उपयोग



संभव बनाया गया। इसके अलावा 180.48 लाख से अधिक फाइलों को बंद या हटाया गया और देशभर में 24.20 लाख सफाई स्थलों की पहचान कर उनकी सफाई की गई।

खाली हुई जगह का हो सकता है बेहतर उपयोग

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कबाड़ और अनावश्यक रिकॉर्ड हटाकर खाली हुई जगह का उपयोग ग्रीन एरिया विकसित करने या लंबे समय से अवरुद्ध और कम उपयोग वाली जगहों को बेहतर बनाने में किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि विशेष स्वच्छता अभियान ने स्वच्छता को केवल वार्षिक गतिविधि के बजाय सरकारी संस्थानों की कार्य संस्र्ति का हिस्सा बनाने में मदद की है।

पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय में 705 वस्तुओं की पहचान

जितेंद्र सिंह ने पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय का भी दौरा किया। वहां 'विशेष अभियान 6.0' के तहत पृथ्वी भवन और मौसम भवन से ई–कचरे तथा अनुपयोगी उपकरणों को हटाने और निपटान की प्रक्रिया शुरु की गई। इस अभियान के तहत कुल 705 वस्तुओं की पहचान की गई है। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के सचिव डॉ. श्रीनिवास कुमार तुमल्ला ने केंद्रीय मंत्री को निपटान के लिए चुनी गई वस्तुओं की जानकारी दी।

100 से अधिक विज्ञान संस्थान अभियान में शामिल

डॉ. जितेंद्र सिंह ने बताया कि पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की गतिविधियां वैज्ञानिक इकोसिस्टम में चलाए जा रहे व्यापक अभियान का हिस्सा हैं। पृथ्वी विज्ञान, सीएसआईआर और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के अंतर्गत आने वाले 100 से अधिक विज्ञान संस्थानों ने 2 अक्टूबर से इस अभियान में भाग लेना शुरु किया है। इसका उद्देश्य वैज्ञानिक संस्थानों में स्वच्छता और अनुपयोगी सामान के व्यवस्थित निपटान की संस्र्ति को मजबूत करना है।

ई–निविदा सूचना

कार्यपालक अभियंता, पंचायती राज संस्थान, दक्षिण अण्डमान मण्डल–I, श्री विजय पुरम, दक्षिण अण्डमान, प्रधान, ग्राम पंचायत, नील केन्द्र, शहीद द्वीप की ओर से, निम्नलिखित कार्यों के लिए उचित श्रेणी के योग्य व अनुभवी ठेकेदारो से मुहरबंद मद दर (के.लो.नि.वि.–8 के प्रपत्र के रूप में) आमंत्रित करते है।

एन. आई. टी. संख्या : क.अ./पी आर आई/एस ए डी–I/आर आर/2026–27/124

कार्य का नाम : नील केन्द्र ग्राम पंचायत के अर्तंगत भरतपुर गाँव में मुख्य सड़क से सुशांतो बिस्वास के घर तक सी सी रोड की मरम्मत और रखरखाव।

अनुमानित लागत : रु. 13.39,399/–, धरोहर राशि : रु.

26,788/–, कार्य समाप्ति की अवधि : (06) छह माह।

निविदा शुल्क : रु. 500/–, बोली प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि : 12/10/2026 के अपराहन 3.00 बजे तक।

निविदा प्रपत्र और अन्य विवरण वेबसाइट **https://eprocure.andamannicobar.gov.in** से प्राप्त किए जा सकते हैं।

टेंडर आई डी : 2026_RDPRI_25019_1

कार्यपालक अभियंता, पंचायती राज संस्थान, दक्षिण अण्डमान मण्डल–I, जंगलीघाट, श्री विजय पुरम, दक्षिण अण्डमान

ई–निविदा सूचना

Proc-200/6/2023-JR ASST (TSM)-ANIIDCO-AN/3675 दिनांक 25.09.2026

हॉर्न बिल नेस्ट रिसॉर्ट, श्री विजय पुरम के लिए वार्षिक आधार पर फलों एवं सब्जियों

की आपूर्ति हेतु ऑनलाइन ई–निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं।

निविदा के नियम और शर्तों वेबसाइट **https://eprocure.andamannicobar.gov.in** से डाउनलोड कर सकते हैं अथवा वरिष्ठ प्रबंधक (पर्यटन), अनिडको, विकास भवन, श्री विजय पुरम से भी सभी कार्य दिवसों के दौरान दिनांक 14.10.2026 सायं 5.00 बजे तक प्राप्त किया जा सकता है।

निविदा दिनांक 15.10.2026 को पूर्वाहन 11.00 बजे तक या उससे पहले ऑनलाइन **https://eprocure.andamannicobar.gov.in** पर भरी जानी चाहिए। निविदा दस्तावेज लिफाफे में रखकर निगमित कार्यालय स्थित टेंडर बॉक्स में दिनांक 15.10.2026 को दोपहर 12.00 बजे तक डाल दें, और तकनीकी बोली उसी दिन सायं 4.00 बजे निविदादाताओं या उनके अधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष खोला जाएग।

निगम के महाप्रबंधक (पर्यटन) के पास किसी भी निविदा को स्वीकार करने अथवा सभी को बिना कोई कारण बताए रद्द करने का अधिकार सुरक्षित होगा।

महाप्रबंधक (पर्यटन), अनिडको

ई–निविदा सूचना

Proc/6/2023-JR ASST (TSM)-ANIIDCO-AN/2708 दिनांक 26.09.2026

डॉलफिन बीच रिसॉर्ट, स्वराज द्वीप के वातानुकूलित यंत्र, रेफ्रिजरेटर, डीप फ्रीजर इत्यादि की वार्षिक मरम्मत एवं रख–रखाव के लिए ऑनलाइन ई–निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं।

निविदा के नियम और शर्तों युक्त दस्तावेज वेबसाइट **https://eprocure.andamannicobar.gov.in** से डाउनलोड कर सकते हैं अथवा वरिष्ठ प्रबंधक, (पर्यटन), अनिडको, विकास भवन, श्री विजय पुरम से भी सभी कार्य दिवसों के दौरान दिनांक 13.10.2026 सायं 5.00 बजे तक प्राप्त किया जा सकता है।

निविदा दिनांक 14.10.2026 को पूर्वाहन 11.00 बजे तक या उससे पहले ऑनलाइन **https://eprocure.andamannicobar.gov.in** पर भरी जानी चाहिए। निविदा दस्तावेज मुहरबंद लिफाफे में रखकर निगमित कार्यालय स्थित टेंडर बॉक्स में दिनांक 14.10.2026 को दोपहर 12.00 बजे तक डाल दें, और तकनीकी बोली उसी दिन सायं 4.00 बजे निविदादाताओं या उनके अधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष खोला जाएगा।

निगम के प्रबंध निदेशक के पास किसी भी निविदा को स्वीकार करने अथवा सभी को बिना कोई कारण बताए रद्द करने का अधिकार सुरक्षित होगा।

महाप्रबंधक (पर्यटन), अनिडको

लपाती स्कूल में सीआरसी स्तरीय बाल वैज्ञानिक विज्ञान, गणित एवं कला प्रदर्शनी लगी



कार निकोबार, 5 अक्टूबर।

आज राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, लपाती, कार निकोबार में सीआरसी स्तरीय बाल वैज्ञानिक विज्ञान, गणित एवं कला प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी में पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, मूस, राजकीय माध्यमिक विद्यालय, किन्चूका, राजकीय प्राथमिक विद्यालय, जयंती, राजकीय माध्यमिक विद्यालय, तपोइमिंग तथा राजकीय माध्यमिक विद्यालय, किनमई के विद्यालयों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में श्री आकाश किशन, अिाशासी अभियंता, एपीडब्ल्यूडी ने मुख्य अतिथि तथा श्री जैक बेनेडिक्ट, चतुर्थ हेडमैन, बिग लपाती ने विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत की। प्रदर्शनी ने छात्रों को अपनी रचनात्मकता, वैज्ञानिक सोच, गणितीय कौशल, कलात्मक प्रतिभा एवं नवाचारी विचारों को प्रदर्शित करने के लिए एक उत्कृष्ट मंच प्रदान किया। छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपने मॉडल, परियोजनाएं एवं कलात्मक प्रस्तुतियां प्रदर्शित कीं। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार कार्यक्रम के अंत में लपाती स्कूल के उप प्रधानाचार्य श्री जैकब ने धन्यवाद ज्ञापित किया। प्रदर्शनी का समापन सकारात्मक एवं प्रेरणादायक वातावरण में हुआ तथा इससे छात्रों को नए विचारों की खोज करने और सीखने, रचनात्मकता एवं नवाचार की अपनी यात्रा को जारी रखने के लिए प्रोत्साहन मिला।

हेलिकोनिया गुलदस्ता निर्माण एवं उष्णकटिबंधीय पुष्प सज्जा पर प्रशिक्षण सम्पन्न



श्री विजय पुरम, 5 अक्टूबर।

महिला सशक्तीकरण के लिए राज्य हब (एसएचईडब्ल्यू), समाज कल्याण निदेशालय द्वारा कृषि निदेशालय के सहयोग से आज गोलघर स्थित कृषि प्रशिक्षण हॉल में “हेलिकोनिया गुलदस्ता निर्माण एवं उष्णकटिबंधीय पुष्प सज्जा” विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। निदेशक (कृषि) ने द्वीपसमूह की अनुकूल कृषि–जलवायु परिस्थितियों पर प्रकाश डालते हुए हेलिकोनिया को विशेष रूप से स्थानीय बाजारों, पर्यटन, पुष्प सज्जा तथा मूल्यवर्धित उद्यमों के लिए व्यावसायिक रूप से लाभकारी सजावटी फसल के रूप में विकसित करने की व्यापक संभावनाओं के बारे में बताया। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार तकनीकी सत्र के दौरान डॉ. नीतू सिंह J (राज्य मिशन समन्वयक, एसएचईडब्ल्यू) ने “हेलिकोनिया की खेती एवं मूल्यवर्धन में अवसर” विषय पर प्रस्तुति दी। श्रीमती भानुमती (किसान एवं पुष्प विक्रेता) द्वारा पुष्प सज्जा एवं गुलदस्ता निर्माण का प्रत्यक्ष प्रदर्शन किया गया।

ठोस कचरा प्रबंधन, प्लास्टिक कचरे का पुनर्चक्रण, ई–कचरे से महत्वपूर्ण धातुओं और दुर्लभ खनिजों की पुनर्प्राप्ति, लिथियम–आयन बैटरी का पुनर्चक्रण, बायोमेथेनेशन, .षि अपशिष्ट से जैव–अपघटित उत्पादों का निर्माण, अपशिष्ट जल से संसाधनों की पुनर्प्राप्ति और औद्योगिक कचरे से मूल्यवर्धित उत्पाद बनाने जैसी तकनीकें शामिल हैं। इन तकनीकों को उपयोग और आगे के विकास के लिए उद्योग जगत तथा अन्य संगठनों को उपलब्ध कराया गया है।

स्वच्छता से पुनर्चक्रण और संपदा सुजन तक

डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि विशेष अभियानों के अनुभव बताते हैं कि स्वच्छता अभियान किस तरह प्रशासनिक सुधार, संसाधनों के बेहतर उपयोग और संस्थागत दक्षता बढ़ाने का माध्यम बन सकता है। वैज्ञानिक क्षेत्र में यह सोच कचरे की पहचान और निपटान से आगे बढ़कर संसाधनों की पुनर्प्राप्ति, पुनर्चक्रण, नवाचार और संपदा सुजन तक पहुंच रही है।

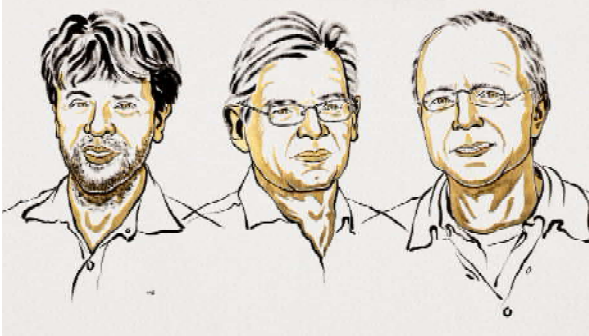
31 अक्टूबर तक चलेगा अभियान

विभिन्न मंत्रालयों और विभागों द्वारा सितंबर में की गई तैयारियों के बाद विशेष स्वच्छता अभियान 6.0 का कार्यान्वयन चरण 2 अक्टूबर से 31 अक्टूबर 2026 तक चलेगा। अभियान में स्वच्छता, लंबित मामलों में कमी, रिकॉर्ड की समीक्षा और छंटाई, कार्यालयी स्थान का बेहतर उपयोग, ई–कचरे एवं अनुपयोगी सामान का वैज्ञानिक निपटान तथा बेहतर रिकॉर्ड प्रबंधन पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसे विभिन्न मंत्रालयों और विभागों के संस्थागत लक्ष्यों के साथ समग्र सरकारी प्रयास के रूप में लागू किया जा रहा है। (इनपुट: पीआईबी)

2026 का नोबेल चिकित्सा पुरस्कार तीन वैज्ञानिकों को, ऑप्टोजेनेटिक्स की खोज के लिए मिला सम्मान

नई दिल्ली।

2026 का नोबेल पुरस्कार शरीर क्रिया विज्ञान या चिकित्सा के क्षेत्र में कार्ल डीसेरोथ, पीटर हेगेमैन और जॉर्ज नागेल को संयुक्त रूप से देने की घोषणा की गई है। तीनों वैज्ञानिकों को ‘प्रकाश–सक्रिय आयन चैनल और ऑप्टोजेनेटिक्स से संबंधित खोजों’ के लिए यह सम्मान दिया गया है। नोबेल असेंबली के अनुसार, पीटर हेगेमैन और जॉर्ज नागेल ने चैनलरोडोप्सिन नामक एक विशेष प्रोटीन की खोज की। उन्होंने पाया कि इस प्रोटीन को किसी भी कोशिका में डालने पर वह कोशिका प्रकाश के प्रति संवेदनशील हो जाती है। इसके बाद कार्ल डीसेरोथ ने चूहों की तंत्रिका कोशिकाओं में चैनलरोडोप्सिन का जीन पड़ुवाया। नीली रोशनी डालकर उन्होंने इन तंत्रिका कोशिकाओं में तंत्रिका संकेत उत्पन्न करने में सफलता हासिल की। बाद में डीसेरोथ ने इसी प्रकाश–नियंत्रित व्यवस्था को जीवित चूहों के मस्तिष्क में तंत्रिका कोशिकाओं पर भी सफलतापूर्वक लागू किया।



इससे प्रकाश की मदद से तंत्रिका संकेतों को नियंत्रित करना संभव हुआ। तंत्रिका संकेतों को प्रकाश के जरिए नियंत्रित करने की इस तकनीक को ऑप्टोजेनेटिक्स कहा जाता है। नोबेल असेंबली के अनुसार, इस तकनीक का दुनिया भर में तेजी से व्यापक प्रभाव पड़ा है।